वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2018–19

<u>*प्रस्तुतकर्ता*</u>

सहयोगी मित्र मंडल
ग्राम व पोष्ट – थनौद, जिला दुर्ग
(छत्तीसगढ)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर –

पर्ष 2018–19 में सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दुर्ग के ग्राम–निकुम में दिनांक 10.04.2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में छ.ग. शासन की स्वास्थ्य योजनाओं, संजीवनी योजना, बाल सुरक्षा योजना, 108 संजीवनी एंबुलेंस, संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना, एकल बालिका शिक्षा योजना आदि के बारे में विस्तारपूर्ण बताया गया । यह बताया गया कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए संस्थागत प्रसव अस्पताल में योग्य डाक्टर व योग्य नर्सों द्वारा कराया जाता है, इसलिए सुरक्षित प्रसव होते हैं। शासन द्वारा जननी योजना सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसकी जानकारी गर्भवती महिलाओं व वहां उपस्थित सभी लोगों को दिया गया। कार्यक्रम में ग्राम के लगभग 300 नागरिक महिलायें एवं गर्भवती महिलायें उपस्थित थे।

किशोर युवक युवतियों का मार्गदर्शन शिविर –

सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दिनांक 08.05.2018 को दुर्ग में विकास खण्ड स्तरीय एक दिवसीय किशोर युवक–युवतियों का मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के स्वयं सेवकों को यौन स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 200 स्वयं सेवकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिशु संरक्षण एवं पोषण शिविर –

दुर्ग जिले के ग्राम–मचांदुर में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दिनांक 05.06.2018 को बाल कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में ग्राम–तिरगा एवं आसपास के गांव की माताओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने ग्राम के बच्चों से संबंधित विटामिन–ए, पोलियो ड्राप्स, मिजल्स आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों में बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना एवं बाल सुरक्षा संबंधी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सरपंच सहित ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 150 बच्चे, मातायें एवं गांव के नागरिक सम्मिलित हुए।

सामाजिक कुरीतिया उन्मूलन शिविर

राजनांदगांव जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड के सामुदायिक भवन में सामाजिक संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा गत वर्ष 2018–19 में सामाजिक कुरीति एवं आडंबर को दूर करने के लिए एवं तथ्यहीन रूढ़ीवादी परंपराओं से समाज को मुक्त कराने के लिए समाज प्रमुखों एवं ग्रामवासियों के साथ संगोष्ठी करना था। संस्था सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा वर्ष

अन्नपूर्णा सिन्हा

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

2016 में बालोद जिले के बालोद विकासखंड में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05.07.2018 को भेड़िया नवागांव में किया गया । इन क्षेत्रों में साक्षरता दर कम होने एवं जागरूकता में बहुत अधिक कमी होने के कारण सामाजिक कुरीति एवं आडंबर का बोलबाला था। गांवों में बैगा, तांत्रिक, टोनही देवी प्रकोप जैसे सामाजिक कुरीति का बोलबाला था। लोग अपने घरों के बीमार व्यक्तियों को डाक्टर के पास ले जाने के बजाए बैगा या ओझा के पास ले जाना उचित समझते थे। टोनही प्रताड़ना भी इस क्षेत्र में अधिक था । संस्था द्वारा इन सभी सामाजिक कुरीति एवं आडंबर को दूर करने के लिए ग्राम वासियों को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ जानकारी दिया गया कि टोनही, बैगा, तांत्रिक, देवीप्रकोप आदि तथ्यहीन रूढ़ीवादी सोच है आदि जानकारी दिया गया । सामाजिक कुरीति उन्मूलन कार्यक्रम में अंबागढ़ चौकी विकासखंड के 60 ग्रामवासी शामिल हुए ।

राष्ट्रीय संप्रदायिक सद्भावना एवं एकता शिविर –

वर्ष 2018–19 में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम बेल्हारी में कौमी एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सद्भावना कार्यक्रम दिनांक 12.08.2018 रखा गया। ग्राम बेल्हारी के यादव सामुदायिक भवन में कौमी एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सद्भावना कार्यक्रम में सरपंच, पंच समेत बडी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। कार्यक्रम अंतर्गत सर्वधर्म एकता, राष्ट्रीयता, अनेकता में एकता, सभी धर्मों का सम्मान आदि मुद्दों पर चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम में दुर्ग जिले के अनेक स्वैच्छिक संगठन के कार्यकर्ता, महिला समूहों के लोग, जनप्रतिनिधि एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता अनेक धर्म एवं समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। संस्था द्वारा कौमी एकता दिवस के अवसर पर किए गए। इस राष्ट्रीय सद्भावना कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया और जन प्रतिनिधियों एवं समाज एवं समाज प्रमुखों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

खेल एवं युवा विकास शिविर –

वर्ष 2018–19 में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम पुरई में खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11.09.2018 से 12.09.2018 तक किया गया। इस खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम में ग्राम पुरई एवं आसपास के गांव के 50 युवामंडल के लगभग 300 युवाओं एवं खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की खेल कार्यक्रम के प्रति रूझान लाने के लिए सहयोगी मित्र मंडल द्वारा खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम का आयोजन कर ग्राम पुरई, में प्रतियोगिता करवाया गया। संस्था द्वारा विभिन्न खेलों जैसे कबड्डी, खो–खो, फुटबाल, बेसबाल, लंबी कूद, बालीबाल आदि खेलों के कोच युवामंडलों को निःशुल्क उपलब्ध करवाया गया था क्योंकि अच्छे कोच के अभाव में युवा खेलों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते है जिन प्रतिभाशाली युवाओं के लिए संस्था द्वारा

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ.ग.)

निःशुल्क कोच की व्यवस्था करवाया गया जिसके कारण जिला स्तरीय खेलों में संस्था द्वारा प्रशिक्षण दिए गए बच्चों को बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है। संस्था के द्वारा क्रिकेट, वालीबाल, कबड्डी, खो–खो आदि टूर्नामेंटों करवाया गया एवं इनाम वितरण किया गया।

पशु कल्याण शिविर –

संस्था द्वारा ग्राम–सेलूद में दिनांक 10.11.2018 को पशुकल्याण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को पशुपालन के क्षेत्र में प्रेरित प्रोत्साहित करने, उन्नत नस्लों के पशुपालन तथा पशुओं के सरक्षा एवं देख रेख कृषि कार्यों के साथ करके अतिरिक्त आमदनी बढ़ाया जा सकता है । इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 300 से अधिक किसान एवं पशुपालक सम्मिलित हुए।

जिला–स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव –

बालोद– जिले में संस्था द्वारा दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 12.01.2019 को ग्राम–थनौद, वि.खं. दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोकगीत, कला एवं नृत्य का व्यापक प्रचार प्रसार करके इस दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का संस्था के द्वारा आयोजन एवं संचालन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत सहयोगी मित्र मंडल द्वारा बालोद जिले में जसगीत प्रतियोगिता, पंथी प्रतियोगिता, राउतनाचा आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सहयोगी मित्र मंडल के अध्यक्ष श्रीमति अन्नपूर्णा सिन्हा ने इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रारंभ में उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, लोकगीत हमारे देश की सांस्कृतिक पहचान एवं धरोहर है। एक ओर जहां राज्य के गांव, कस्बे एवं शहर विकसित होते जा रहे हैं वहीं राज्य की सांस्कृतिक धरोहर पिछड़ते जा रही है इसलिए संस्था ने छत्तीसगढ़ी लोकगीत, कला एवं नृत्य का व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रति वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों समेत लगभग 400 लोगों ने भाग लिया।

महिला जागरूकता शिविर

वर्ष 2018–19 में बालोद– जिले के डौण्डी विकासखंड के कुसुमकसा में सामाजिक संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा एक दिवसीय महिला शक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रका आयोजन दिनांक 08.03.2018 को क्रिया गया। कार्यक्रम का आरंभ संस्था के कार्यकर्ता श्री नंदकिशोर तिवारी ने प्रतिभागियों के परिचय से आरंभ किया एवं महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण का उद्देश्य उसकी अवधारणा एवं उसकी उपयोगिता के साथ ही उसके महत्व के बारे में महिलाओं के विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संस्था के कार्यकर्ता श्री नंदकिशोर तिवारी ने इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं महिला सशक्तिकरण के महत्त के बारे में बताया और

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग)

कहा कि बीते कुछ दशकों में देश में महिलाओं का स्तर बेहतर हुआ एवं संविधान में महिलाओं को चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है जिसका लाभ सभी महिलाओं को होना चाहिये । भारत सरकार ने महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए केन्द्र और राज्य स्तर पर अनेक योजनाएं चलायी है। इसके बाद श्री तिवारी ने भारत में महिलाओं की दशा के ऐतिहासिक महत्व को समझाया जिसमें सानिया मिर्जा, पी.टी.ऊषा, महारानी लक्ष्मी बाई, रानी दुर्गावती, इंदिरा गांधी, सरोजनी नायडू आदि का उल्लेख किया गया तथा उपस्थित महिलाओं को यह बताया गया कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आगे आना चाहिए । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष महेन्द्र सिन्हा ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि महिलाओं के राजनीति में दखल से भ्रष्टाचार में कमी आई है एवं महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है क्यों कि एक पुरूष की उपेक्षा जब एक महिला का राजनीति में दखल होता है तो वह महिला पूरे जिले को गौरान्वित करती है और पूरे जिले की महिलाओं को उससे प्रेरणा मिलती है। सरकार भी महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक प्रयास कर रही है जब तक महिला सशक्तिकरण नहीं होगा तब तक महिलाएं शोषण का शिकार होती रहेंगी। इस एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बालोद जिले के गुंडरदेही विकासखंड की 260 महिलायें सम्मिलित हुयी ।

<u>उन्मुखीकरण कार्यक्रम</u>

<u>घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण</u> –

बालोद जिले में संस्था द्वारा एक दिवसीय घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 19 एवं 20.04.2018 को ग्राम चीचा में किया गया। संस्था द्वारा महिलाओं पर हो रहे घरेलू हिंसा के प्रकारों को बताया गया कि पीड़ित महिलाएं किस प्रकार घरेलू हिंसा की शिकार होती है और उन्हें कहां न्याय मिल सकता हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं समाज में उन्हें सशक्त बनाकर अबला से सबला बनाने के उद्देश्य से सहयोगी मित्र मंडल द्वारा घरेलू हिंसा पर आधारित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को समाज में पुरूष के समतुल्य अधिकार दिलाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन की अनेक योजनाओं के बारे में संस्था के मास्टर ट्रेनर श्री नंदकिशोर तिवारी द्वारा बताया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेमेतरा के महिला स्वयं सहायता, नारी निकेतन, स्वैच्छिक संस्थओं के 135 लोगों ने भाग लिया ।

<u>शिक्षा के अधिकार पर प्रशिक्षण</u>

बेमेतरा जिले के साजा विकासखंड में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा शिक्षा का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 09 एवं 10.05.2018 को ग्राम–देउरगांव में किया गया। प्रशिक्षण अंतर्गत संस्था के कार्यकर्ता श्री मुकेश यादव, मनीष चन्द्राकर द्वारा

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ.ग.)

बताया गया कि शिक्षा का अधिकार कानून पूरे देश में लागू कर दिया गया है। जिसके अनुसार सभी बच्चे को शिक्षा का अधिकार कानून के मापदण्डों के अनुसार गुणवत्तायुक्त शिक्षा दिया जाना है। शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत स्कूल, क्लास रूम, शिक्षकों की संख्या, बाथरूम व्यवस्था, रैप, पढ़ाई के घंटे आदि सभी निर्धारित मापदंड सभी स्कूलों द्वारा पूर्ण किए जाने हैं और बच्चों को पूर्ण गुणवत्तायुक्त शिक्षा स्कूल में मिलना चाहिए। दो दिवसीय इस शिक्षा का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 225 लोगों ने भाग लिया ।

सूचना का अधिकार पर प्रशिक्षण –

बालोद जिले के डौंडी विकासखंड में सांस्कृतिक भवन में सहयोगी मित्र मंडल द्वारा वर्ष 2018–19 में सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 7 एवं 08.05.2018 को किया गया । कार्यक्रम अंतर्गत संस्था मुख्य प्रशिक्षक महेन्द्र कुमार सिन्हा के द्वारा सूचना का अधिकार की समस्त धाराओं, इतिहास, आवेदन, शुल्क, अपील आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया । संस्था द्वारा आयोजित सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि, अनेक स्वैच्छिक संगठन के कार्यकर्ता, महिला समूहों के लोग, जनप्रतिनिधि एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में लगभग 100 लोगों को सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

सामाजिक अंकेक्षण पर प्रशिक्षण –

कबीरधाम जिले के बोडला विकासखंड के ग्राम बोडला में संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 8 एवं 09.08.2018 किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के मास्टर ट्रेनर श्री नंदकिशोर तिवारी द्वारा बताया गया कि गांव के प्रत्येक परिवार को रोजगार के लिए आवेदन करने पर ग्राम पंचायत द्वारा प्रत्येक व्यक्ति का जाबकार्ड बनाकर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम अंतर्गत संस्था के कार्यकर्ता एकलव्य तिवारी के द्वारा ग्रामवासियों को बताया गया कि इस कार्यक्रम अंतर्गत मूलतः भूमि खनन का कार्य किया जाता है। यांत्रिक कार्य पूर्णतः वर्जित है। कार्यक्रम अंतर्गत उपस्थित लोगों से महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के बारे में उनके अनुभव सुनाया गया । इन कार्यक्रमों में लगभग 200 लोगों को महात्मागांधी रोजगार गारंटी विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण उपरांत ग्राम पंचायत के सदस्यों ने भी महात्मागांधी रोजगार गारंटी के अपने अनुभवों को बताया ।

जल एवं स्वच्छता पर प्रशिक्षण

संस्था सहयोगी मित्र मंडल बालोद जिले के गुण्डरदेही विकास खंड में जल एवं स्वच्छता

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

कार्यक्रम विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 21 व 22.08.2018 को ग्राम–कांदुल में किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र कांदुल के हायर सेकेंडरी स्कूल के आस–पास के क्षेत्र में रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाले वृक्षों का ग्राम वासियों के सहयोग से रोपण किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा बताया गया कि संस्था सहयोगी मित्र मंडल समय समय पर जल एवं स्वच्छता कार्यक्रम से संबंधित बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को पानी के संरक्षण के विषय में जानकी प्रदान करती है एवं प्रोत्साहित करती है। आज जिस तरह से जमीन से पानी का स्तर कम हुआ है उससे विश्व के सभी देशों में चिंता का होना स्वाभाविक है। संस्था द्वारा जल एवं स्वच्छता से संबंधित अनेक सावधानियों एवं तरीकों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमें में संस्था के कार्यकर्ताओं ने बताया कि संस्था पानी के संरक्षण को लेकर जागरूकता, प्रशिक्षण मार्गदर्शन, कार्यशाला का आयोजन करना, ग्रामीणों को क्षेत्र का भ्रमण करना, ग्रामीणों की सहभागिता से जलग्रहण के स्ट्रेक्चर का निर्माण करना आदि प्रमुख है।

<u>ग्राम सभा सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण</u> :–

संविधान के 73 संशोधन में पंचायत राज के त्रि–स्तरीय व्यवस्था में ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों को पंचायत राज अधिनियम, नियम, अधिकार कर्त्तव्य एवं कार्य क्षेत्र कार्यपद्धति तथा सूचना का अधिकार, विकेन्द्रीकरण योजना, सामाजिक अंकेक्षण, स्थानीय स्वाशासन, स्थानीय स्तर पर सामाजिक न्याय एवं आर्थिक विकास के कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान कर उनमें क्षमता वृद्धि करने हेतु संस्था द्वारा तीन दिवसीय पंचायत राज पर प्रशिक्षण विकास खण्ड मुख्यालय दुर्ग में दिनांक 18 से 20.09.2018 तक आयोजित किया गया जिसमें वि.खं. अंबागढ़ चौकी के 50 ग्राम पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत व व्यवहारिक प्रशिक्षण लिया ।

<u>युवानेतृत्तव एवं विकास प्रशिक्षण</u> :–

संस्था द्वारा सुदूर आदिवासी अंचल अंबागढ़ चौकी जिला राजनांदगांव में नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से युवाओं में नेतृत्व क्षमता एव विकास पर सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2018 तक किया गया जिसमें विकास खंड के विभिन्न महिला मण्डल एवं नवयुवक मण्डल से जुड़े हुए 200 सदस्य सम्मिलित हुए संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा उन्हें नेतृत्व विकास का बुनियादी व व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

<u>आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण</u>

वर्ष 2018–19 में संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दुर्ग जिले के शिवनाथ नदी के तट पर बसा ग्राम कोटनी में आपदा प्रबंधन पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 18 एवं 19.11.2018 को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कोटनी जैसे संवेदनशील

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

क्षेत्रों में होने वाले आपदा से निजात पाने की रणनीति एवं आपदा प्रबंधन की प्लानिंग करना था। क्यों कि नदी किनारे के गांवों में प्रति वर्ष बाढ़ से बहत धनजन की हानि होती है। कार्यक्रम में ग्राम के पंचायत प्रतिनिधि, जन प्रतिनिधि, शासकीय कर्मचारी आदि लोग शामिल हुए एवं आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए साझी रणनीति तैयार किया गया । इस आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में महमरा के कुल 52 लोगों ने भाग लिया।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण –

संस्था में कार्यरत स्वयं सेवकों के लिए संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा बालोद जिले के डौंडी में एक दिवसीय राष्ट्रीय संसाध प्रबंधन पर प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 15 एवं 16.12.2018 को ग्राम कुसुमकसा में किया गया । प्रशिक्षण में आए रिसोर्स पर्सन सत्यम बनर्जी ने संस्था में कार्यरत स्वयंसेवकों को बताया कि हम किस तरीके से राष्ट्रीय संसाधनों का प्रबंधन कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन सत्यम बनर्जी ने राष्ट्रीय संसाधनों के बारे में विस्तारपूर्ण चर्चा किया एवं उनके प्रबंधन के चरणों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के 50 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया

आई.जी.पी. कार्यक्रम

स्वयंसेवक प्रशिक्षण :– आम जनता के बेहतरी के लिए शासन द्वारा चलाए गये जन कल्याण कारी कार्यों में लोगों के भागीदारी बढने में स्वयंसेवकों की प्रभावी भूमिका होती है। इस हेतु संस्था द्वारा स्वयंसेवकों में क्षमता वृद्धि हेतु दो दिवसीय स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुख्यालय में 29 व 30 अप्रैल को आयोजित किया गया जिसमें 100 स्वयं सेवकों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार एवं श्रीमति सारिका मेहर ने प्रशिक्षण प्रदान किया ।

आजीविका प्रशिक्षण :– स्वालंबन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के स्कील डेवलपमेंट, आजीविका वर्धन कार्यक्रम को संस्था द्वारा प्रमुख रूप से फोकस किया गया है। वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के दक्षता निर्माण के लिए दो दिवसीय विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 25 व 26 मई 2018 तथा संस्था मुख्यालय दुर्ग में किया गया। जिससे स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं में दक्षता का निर्माण हुआ है। संस्था के कार्यक्षेत्र में जो लोग गरीबी रेखा में जीवन यापन कर रहे हैं ऐसे लोगों को संस्था द्वारा चिन्हांकित कर क्लस्टर बनाकर आजीविकावर्धन कार्यक्रमों का संचालन किया गया है। जिससे संस्था द्वारा 100 लाभांवित वर्ग समूह रोजगार मूल कार्यो में संलग्न हुआ है। संस्था अपने कार्यक्षेत्र में क्या कार्य करना है इसकी प्लानिंग पी.आर.ए. पद्धति के माध्यम से गांव वालों के साथ मिलकर करती है। जिससे संस्था के क्रियाकलापों में लोगों की सहभागिता भी शामिल है । संस्था की मुख्य प्राथमिकता ग्रामीण विकास है क्यों कि बिना

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ.ग.)

ग्राम विकास के ग्रामीण समुदाय का विकास नहीं किया जा सकता और बिना ग्राम विकास के जिला राज्य व शहर का विकास संभव नही है। संस्था के इस विजन मिशन को साकार करने के लिए संस्था को लगभग 700 स्वयं सहायता समूहों का समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है। संस्था विगत 15 वर्षो से स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं क्षमतावर्धन पर कार्य कर रही है।

दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण –

कार्यकर्ताओं में अभिलेख एवं दस्तावेजों की समझ बढ़ाने संस्था द्वारा दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुख्यालय दुर्ग में 21 व 22 जनवरी 2018 को आयोजित किया गया जिसमें संस्था के प्रशिक्षक श्री टिकेश्वरी लाल देशमुख एवं श्रीमति गायत्री साहू ने 100 कार्यकर्तो का प्रशिक्षण प्रदान किये।

ग्रामीण सहभागी आकलन (पी. आर. ए.)प्रशिक्षण :–

ग्रामीण विकास के कार्य नियोजन हेतु ग्रामीण सहभागी आकलन विषय पर सामाजिक क्षेत्र में भागीदारी प्रदान करने हेतु समाज कल्याण महाविद्यालय के प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थीयों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा अथर्व समाज कल्याण महाविद्यालय दुर्ग में दिनांक 24 व 25 जुलाई 2018 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें पी.आर. ए की पृष्ठ भूमि इतिहास, सामाजिक मानचित्रण, संसाधन मानचित्रण, समस्या चित्रण, आर्थिक वर्गीकरण , चपाती चित्रण आदि सभी 11 विधियों पर विस्तृत जानकारी दिया गया इस प्रशिक्षण में 50 प्रतिभागी शामिल हुए ।

शिक्षक प्रशिक्षण–

ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में व निजी विद्यालयों में बेहतर शिक्षा में भागीदारी के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में अध्यापन रत शिक्षकों में क्षमता हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजन संस्था द्वारा संस्था कार्यालय दुर्ग में दिनांक 21 एवं 22 अगस्त 2018 को किया गया इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थीयों को बुनियादी शिक्षा के साथ–साथ आधुनिक सूचना तकनीक से भी अवगत कराया गया । सेवा निवृत्त शिक्षा विदों ने अपने अनुभवों का आदान प्रदान किया। इस प्रशिक्षण में 100 शिक्षक, शिक्षिकाओं ने भाग लिया ।

स्वैच्छिक संस्थओं को परामर्श – ग्रामीण विकास में युवा मंडलों, महिला मंडलों, स्थानीय संस्थओं की भागीदारी सुनिश्चत कराई जाती है । उनकी भागीदारी और सकारात्माक हो इस हेतु संस्था द्वारा संस्था कार्यालय में स्वैच्छिक संस्थाओं को परामर्श व मार्गदर्शन देने का कार्य नियमित रूप से वर्ष भर किया जाता है वर्ष 2018–19 में प्रतिमाह औसतन 50 प्रतिभागीयों संस्थाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

स्वसहायता समूहों का प्रशिक्षण –

संस्था की मुख्य प्राथमिकता ग्रामीण विकास है क्योंकि बिना ग्राम विकास के ग्रामीण समुदाय का विकास नहीं किया जा सकता और बिना ग्राम विकास के जिला, राज्य व शहर का विकास संभव नहीं है। संस्था के इस विजन मिशन को साकार करने के लिए संस्था को लगभग 700 स्वयं सहायता समूहों का समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है। संस्था विगत 15 वर्षों से स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं क्षमतावर्धन पर कार्य कर रही है। वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा 200 स्वसहायता समूहों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में उन्हें विशेषकर समूहों के दस्तावेज अभिलेख, लेखा व बचत पंजी स्वलंबन हेतु रोजगार सृजन हेतु जानकारी आदि विषयों पर संस्था कार्यालय में दिनांक 25 एवं 26 अक्टूबर 2018 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

विकास केन्द्रों का संचालन

नशामुक्ति परामर्श शिविर –

संस्था अपने स्थापना से ही समाज कल्याण कार्यो को विशेष रूप से करती रही है। इस हेतु संस्था समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त है संस्था वर्ष 2018–19 में जिला दुर्ग में नशा मुक्ति परामर्श शिविर का आयोजन माह अप्रैल, माह अगस्त, माह दिसंबर में किया। जिससे नशे से ग्रसित युवाओं को नशा छोड़ने हेतु प्रेरित किया गया।

वृद्धाश्रम का संचालन :– संस्था ग्राम थनौद में वृद्धों को सहयोग हेतु जन सहयोग से वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है तथा पुलगांव में संचालित शासकीय वृद्धाश्रम में भी सहयोग प्रदान कर रही है।

बहुसेवा केन्द्रों का संचालन :

संस्था वरिष्ठ नागरिकों के देख भाल हेतु जन सहयोग से बहुसेवा केन्द्रों का संचालन कर रही है वि.खं दुर्ग में ग्राम पाउवारा, ढाबा, गंजपारा दुर्ग वि.खं. गुण्डरदेही में चैचगंज एवं ग्राम कान्दुल वि.ख.डोंगरगढ़ में ग्राम बोरतालाव में संचालित है।

ग्रामीण सूचना प्रोद्यागकी युवा विकास केन्द्र –

नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग के सहयोग से संस्था द्वारा वि.खं. दुर्ग में युवाओं के लिए सूचना केन्द्र के रूप में विगत 10 वर्षों से ग्रामीण सूचना प्रोद्योगकी युवा विकास केन्द्र ग्राम थनौद में संचालित है जिसमें क्षेत्र के 500 से अधिक युवा मंडल, महिला मंडल, समूहों एवं सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं ।

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ.ग.)

विवेकानंद पुस्तकालय :-

संस्था द्वारा कार्यालय गंजपारा दुर्ग में स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय जन सहयोग से संचालित है। जिसमें ग्रामीण विकास एवं समाज कल्याण से जुडे 200 से अधिक महत्तापूर्ण पुस्तकें संग्रहित है जिसका लाभ संस्था से जुड़े हितग्राहियों से लिया जा रहा है।

शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन

संस्था के मुख्य उद्देश्य शिक्षा के लोक व्यापीय करण हेतु कार्य करना तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा तक साधनविहीन जरूरतमंद शिक्षार्थियों की पहुंच बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु संस्था वर्ष 2006 से स्व.ओम बाई की स्मृति में पब्लिक स्कूल का संचालन प्रारंभ किया है। वर्तमान में जिला दुर्ग में ओम पब्लिक स्कूल गंजपारा दुर्ग एवं ग्राम पाउवारा में संचालित है। जिला बालोद के वि.ख. गुण्डरदेही के ग्राम कान्दुल में ओम पब्लिक स्कूल विगत 9 वर्षों से सफलता पूर्वक संचालित है। चैनगंज गुंडरदेही में संस्था द्वारा वर्ष 2013 से इंग्लिश मीडियम होली एंजिल स्कूल का सफलता पूर्वक संचालित है।

अन्नपूर्णा सिन्हा

अन्नपूर्णा सिन्हा

संस्था प्रमुख

सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग)

सहयोगी मित्र मंडल, थनौद दुर्ग (छ.ग.)

परियोजना कार्य वर्ष 2018–19

खाद्य एवं प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण :–

ग्राम कांदुल विकास खण्ड गुण्डरदेही जिला बालोद छ.ग. में फलों एवं सब्जियों की खेती करने वाले किसानों के लिए 7 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 01.07.2018 से 07.07.2018 तक किया गया जिसमें विकास खण्ड के 50 प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया ।

बड़ी –पापड़ एवं अचार प्रशिक्षण :–

महिला समूहों को स्वावलंबी बनाने हेतु ग्राम पाउवारा विकास खण्ड व जिला दुर्ग में दिनांक 18.08.2018 से 24.08.2018 तक 7 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें विभिन्न समूहों के 50 महिलाओं ने हिस्सा लिया संस्था के प्रशिक्षकों ने विभिन्न प्रकार के अचार, बड़ी एवं पापड़ का प्रशिक्षण प्रदान किये।

रेडी–टू ईट (फुड) प्रशिक्षण:–

संस्था द्वारा ग्राम व पोष्ट निकुम जिला दुर्ग छ.ग. में दिनांक 24.09.2018 से 30.09.2018 तक रेडी–टू ईट (फुड) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के 50 स्व सहायता समूह शामिल हुए ।

मशरूम प्रशिक्षण :–

संस्था द्वारा ग्राम व पोष्ट मचांदुर जिला दुर्ग छ.ग. में दिनांक 06.10.2018 से 12.10.2018 तक मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के 50 हितग्राही शामिल हुए ।

मोमबत्ती प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा ग्राम व पोष्ट चेनगंज जिला बालोद छ.ग. में दिनांक 03.11.2018 से 09.11.2018 तक मोमबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड गुण्डरदेही के 50 हितग्राही शामिल हुए ।

मछलीपालन प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा ग्राम व पोष्ट तिरगा जिला दुर्ग छ.ग. में दिनांक 11.11.2018 से 17.12.2018 तक मछलीपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुनम फिशरी में किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के 50 मछलीपालक कृषक शामिल हुए जिन्हें विभिन्न तरह के मछली पालन के बारीकियों पर प्रशिक्षण दिया गया ।

इलेक्ट्रिकल प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा ग्राम व पोष्ट पुलगांव जिला दुर्ग छ.ग. में दिनांक 01.01.2019 से 31.03.2019 तक इलेक्ट्रिकल घरेलू वायरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के 50 हितग्राही शामिल हुए ।

एस.एच.जी. कार्यशाला प्रशिक्षण –

संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत ग्राम व पोष्ट थनौद जिला–दुर्ग छ.ग. में दिनांक 02.03.2019 से 08.03.2019 तक महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के विभिन्न समूहों के 100 महिलाऐं शामिल हुए जिन्हें गृह एवं कुटीर उद्योग, स्टेशनरी निर्माण, बुक–कीपिंग, लेखा बही का प्रशिक्षण दिया गया।

अन्नपूर्णा सिन्हा

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)